## व्यावसायिक समाज कार्य अधिनियम और परिषद के निर्माण पर दिया गया ज़ोर

### 'वर्तमान समय में समाज कार्य व्यवसाय के सिद्धांत और क्षेत्रकार्य की चुनौतियां' पर परिचर्चा कार्यक्रम

वर्धा, 18 मार्च, 2016; राष्ट्रीय समाज कार्य दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र में "वर्तमान समय में समाज कार्य व्यवसाय के सिद्धांत और क्षेत्रकार्य की चुनौतियां' विषय पर विमर्श के लिए अध्यापकों व शोधार्थियों द्वारा परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

परिचर्चा में वक्ताओं ने इस बात पर ज़ोर दिया गया कि भारत में व्यावसायिक समाज कार्य को बढ़ावा देने हेतु समाज कार्य अधिनियम और परिषद का निर्माण किया जाना चाहिए। परिचर्चा सत्र में केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि समाज कार्य को एनजीओ और सरकारी संस्थानों का पिट्ठू नहीं बनना है अपितु इनकी आवश्यकता को ख़त्म करना हमारी जिम्मेदारी है इसी से समुदाय में नेतृत्व स्थापित हो सकेगा। सहायक प्रोफेसर डॉ. मिथिलेश कुमार ने समाज कार्य और क्षेत्रकार्य को जोड़कर देखने को कहा। कुंभलकर कॉलेज ऑफ सोशल

वर्क के प्राध्यापक महादेव चुंचे ने पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तार से अपनी बात रखी। साथ ही उनके सहयोगी प्रा. सतीश धवड ने विद्यार्थियों को समाजकार्य पाठ्यक्रम की तटस्थता पर अडिग रहने को कहा। सहायक प्रोफेसर आमोद गुर्जर ने प्रस्ताविक वक्तव्य दिया। सहायक प्रोफेसर डॉ. शिव सिंह बघेल ने समाज कार्य की

सामाजिक उपादेयता पर प्रकाश डाला। संचालन शोधार्थी गजानन निलामे तथा शोधार्थी नरेन्द्र दिवाकर ने आभार व्यक्त किया।

इस परिचर्चा में म.गा.फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र के शोधार्थी, विद्यार्थी सहित वर्धा शहर के समाज कार्य महाविद्यालयों (आंबेडकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, अनिकेत समाज कार्य महाविद्यालय तथा कुंभलकर कॉलेज ऑफ सोशल वर्क) के शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सफलतार्थ डॉ. सत्यम कुमार सिंह, शोधार्थी डिसेंट साहू, नरेश गौतम, शिवाजी जोगदंड, सुशील कुमार, सुधीर, दीनानाथ आदि प्रयासरत रहे।

फोटो कैप्शन : निदेशक प्रो. मनोज कुमार के साथ समाज कार्य के अध्यापक, शोधार्थी तथा विद्यार्थी।